अंक 5

श्री सोमनाथेश्वर समाचार

श्री सोमनाथेश्वर सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण जागरूकता, धार्मिक, योग एवं आध्यात्मिक चेतना ग्रुप द्वारा संचालित त्रैमासिक ई-पत्रिका

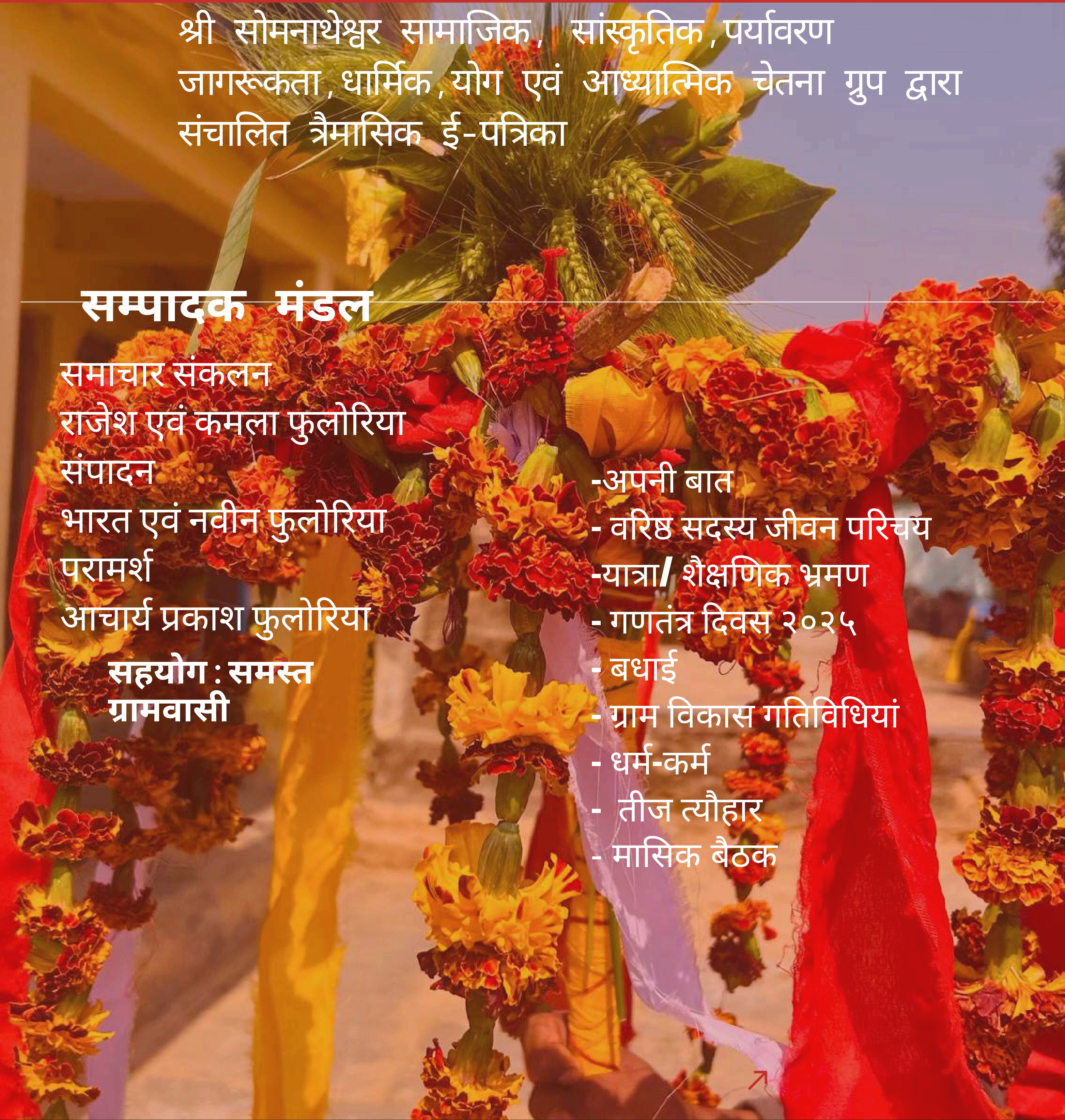

सम्पादक मंडल

समाचार संकलन
राजेश एवं कमला फुलोरिया
संपादन
भारत एवं नवीन फुलोरिया
परामर्श
आचार्य प्रकाश फुलोरिया

सहयोग : समस्त ग्रामवासी

-अपनी बात
- वरिष्ठ सदस्य जीवन परिचय
-यात्रा/ शैक्षणिक भ्रमण
- गणतंत्र दिवस २०२५
- बधाई
- ग्राम विकास गतिविधियां
- धर्म-कर्म
- तीज त्यौहार
- मासिक बैठक

जनवरी - मार्च 2025
WWW.SHREESOMNATHESHWAR.ORG

अपनी बात

श्रीसोमनाथेश्वर समाचार का पंचम अंक (जनवरी- मार्च 2025) आपके समक्ष प्रस्तुत है। पत्रिका के प्रकाशन ने आपके सहयोग और समर्थन से एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। नये वर्ष में गांव में पशु सेवा केन्द्र के निर्माण की शुरुआत हुई जिसके लिए वर्तमान प्रधान श्रीमती कमला फुलोरिया व केन्द्र निर्माण हेतु भूमि दान के लिए भाईसाहब डॉ प्रफुल्ल चन्द्र फुलोरिया जी बहुत बहुत धन्यवाद के पात्र हैं।

इस तिमाही में सबसे उल्लेखनीय, गांव में 28 फरवरी से 7 मार्च तक श्री मद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन डॉ प्रफुल्ल चन्द्र फुलोरिया परिवार द्वारा किया गया । गांव में प्रथम बार इस प्रकार का भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन हुआ जिसका आनन्द न केवल ग्राम वासियों ने बल्कि प्रवासी बंधु बांधवों और आसपास के ग्राम वासियों ने भी उठाया।

भाई साहब डॉ प्रफुल्ल चन्द्र फुलोरिया जी के द्वारा ही श्री सोमनाथेश्वर मंदिर परिसर के विकास में व्यक्तिगत सहयोग करते हुए पहले से बने हुए अतिथि कक्षों के ऊपर एक सर्व सुविधा संपन्न नये अतिथि कक्ष का निर्माण कराया गया।इस शुभ कार्य के लिए उन्हें बहुत बहुत बधाई और आभार। इस अंक में हम बरिष्ठ सदस्य परिचय के अंतर्गत उनकी जीवन यात्रा प्रकाशित कर रहे हैं जो नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी।

भारत एवं नवीन फुलोरिया

वरिष्ठ सदस्य-जीवन परिचय -2

डा. प्रफुल्ल चन्द्र फुलोरिया

मेरा जन्म ग्राम आदिग्राम फुलोरिया में 26 मार्च 1948 को स्व.हीराबल्लभ शास्त्री एवं स्व.बसन्ती देवी के घर में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा मासी और अमरोली धार में हुई। मिडिल और हाइस्कूल की परीक्षा बिनायक से 1964 में तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा 1966 में सी ए वी इंटर कालेज प्रयाग राज से पास की। जीवन के प्रारंभिक वर्ष बहुत संघर्ष भरे थे,पू.माता जी बीमार रहती थी। उनको गठिया की बीमारी थी, जोड़ों पर दर्द के रहते भी उन्हें दोनों गांवों,,(झलां, आदिग्राम)का काम करना पड़ता था। मैं बहुत छोटा था तब भी मुझे इजा का हाथ बंटाना पड़ता था।घर के निकट खेतों तक, भैंस चराने से लेकर पढ़ाई तक।

अतः बचपन क्या होता है उसका अनुभव नहीं के बराबर , कपड़े होते नहीं थे।एक ही कपड़ा ऊपर से नीचे तक ,इसे संतरास कहते हैं,वहीं दिन और रात में पहना जाता था जूते चप्पल तो दूर की बात थी।कक्षा 3 तक मासी में,फिर पांच तक मामा जी के पास पढ़ाई की।कक्षा 6से 10 तक विनायक हाईस्कूल में पू. पिता जी के सानिध्य में क्यों कि पिता जी भी उसी स्कूल में अध्यापक थे।रहने की उचित व्यवस्था न होने पर कक्षा ही में रात्रि शयन होता था।तब आज की तरह बैंच और बिजली भी नहीं थी अतः लम्फू में पढ़ाई की जाती थी। पानी की विकट समस्या थी।दूर नौले से सुबह-शाम पानी लाना पड़ता था। शनिवार को विनायक से आदिग्राम,फिर सोमवार को प्रातः हफ़्ते भर के राशन के साथ स्कूल के टाइम पर उपर नीचे चढ़ते उतरते 10किमी. का रास्ता पैदल तय कर पहुंचना पड़ता था। पिता जी अनुशासन प्रिय एवं बहुत ही सख्त मिजाज के थे।डर के मारे उनसे कुछ बोलने की हिम्मत नहीं होती थी। हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा का केंद्र रानीखेत था वह भी 10-15 किमी.पैदल। पहली बार पैन्ट और गर्म कोट बना साथ ही में मोटर टायर के जूते।

क्रमशः

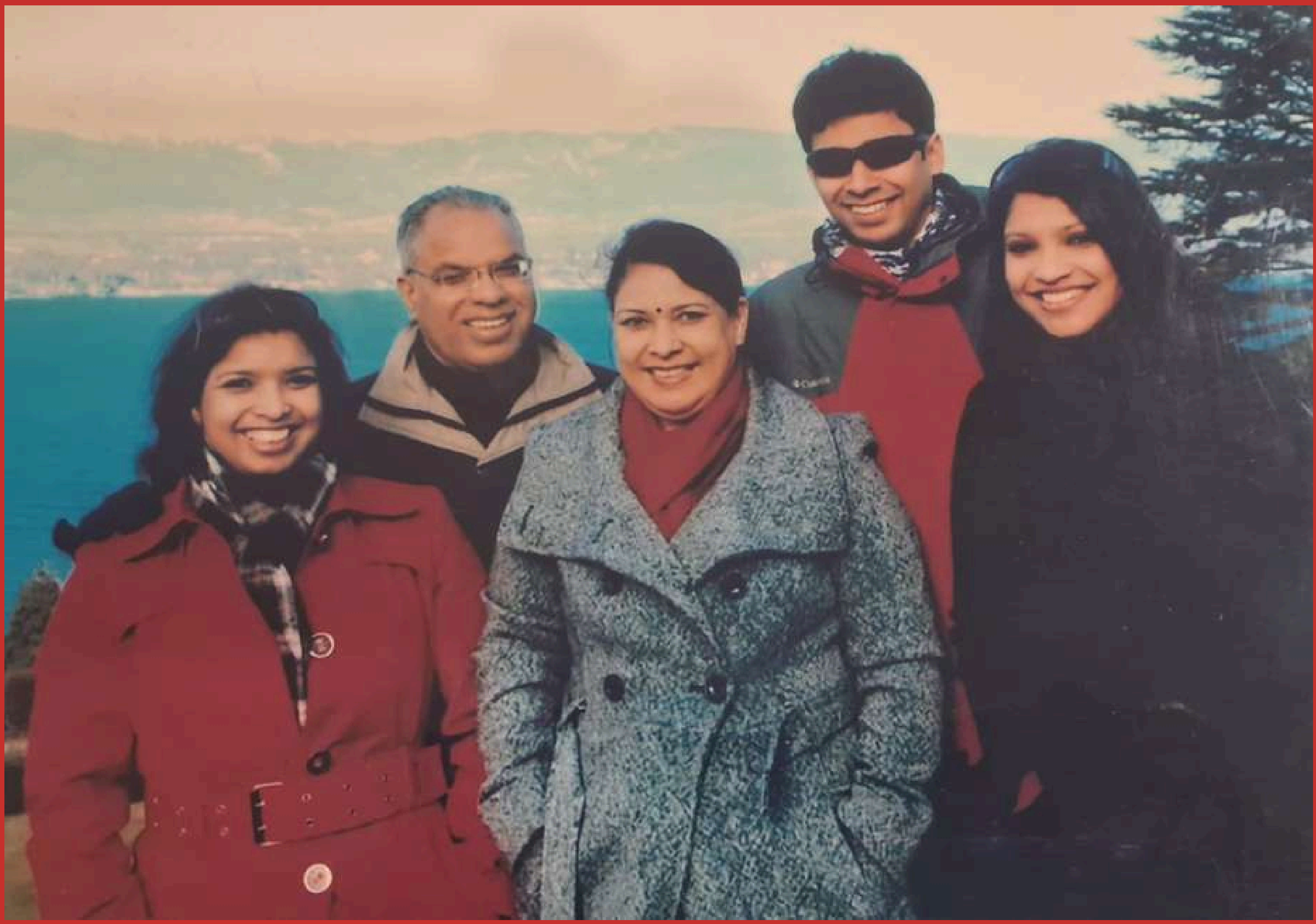

डॉ प्रफुल्ल चन्द्र फुलोरिया अपनी पत्नी और बच्चों के साथ

हाईस्कूल प्रथम श्रेणी में पास होने पर पिता जी ने मुझे इंटरमीडिएट के लिए अपने दूर के रिश्तेदार के घर प्रयाग राज पहुंचा दिया। उनके घर से कालेज 3किमी.पैदल जाना होता, साइकिल चलानी आती नहीं थी और न ही अपनी आर्थिक स्थिति खरीदने की थी। कालेज आते जाते वक्त बड़े बड़े बंगले पड़ते थे जो कि एडवोकेट या प्रयाग विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों के थे।उन्हीं में से एक प्रो.(डॉ) राजेन्द्र सिंह का बंगला था जो और बंगलों से भिन्न था।गेट पर बोर्ड लगा था डॉ राजेन्द्र सिंह, वहीं से प्रेरणा मिली कि अपने नाम के आगे भी डा. होता तो अच्छा होता चाहे पी एच डी,पशु चिकित्सक, होम्योपैथिक या आयुर्वेदिक डॉक्टर।एम बी बी एस की अपनी सोच ही नहीं थी क्योंकि अपनी हैसियत ही नहीं थी।बाद में पता चला कि डॉ राजेन्द्र सिंह प्रयाग राज विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष थे और आर एस एस के सर संघचालक थे, उनको रज्जू भैया के नाम से जाना जाता था, बहुत विद्वान और सरल व्यक्ति थे।

1967 में सीपीएमटी परीक्षा में सफल होकर प्रयाग राज में ही मोतीलाल नेहरु चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश मिला। तंग आर्थिक स्थिति के कारण बिचार किया कि MBBS करना कठिन होगा परन्तु पिता जी ने अपने सहयोगी श्री भीम सिंह मियां की मदद से वहां प्रवेश दिला दिया।उस वक्त पिता जी को मात्र 150रु मिलते थे जिसमें से मुझे 100रू प्रति माह दिया जाता था।बाद में लोन लेकर किताबें खरीदी जो कि बहुत महंगी होती थी। मैं ने लगन व मेहनत से MBBS तथा जनरल सर्जरी में MS किया तथा अपने जीवन का लक्ष्य (डॉ बनना) प्राप्त किया।

शासकीय नौकरी तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चिकित्सा विभाग में अल्मोड़ा १९७६ में ज्वाइन किया। अल्मोड़ा, पौड़ी, खटीमा तथा हल्द्वानी मेरा कार्य क्षेत्र रहे। पौड़ी जनपद के जिला चिकित्सालय में १४ वर्ष तक कार्य किया तथा कठिन परिस्थितियों में परिश्रम करने पर पौड़ी शहर वासियों ने स्थानांतरण होने पर मुझे वहां के रामलीला मैदान में वहां की जनता की ओर से भाव भीनी विदाई दी जो कि एक सरकारी अधिकारी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी।दो वर्ष खटीमा और ग्यारह वर्ष हल्द्वानी बेस चिकित्सालय में कार्य करने पर हल्द्वानी नगर के विभिन्न संगठनों ने मुझे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया।

जून २००५ में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर आज तक जनता की सेवा में समर्पित हूं। व्यस्त जीवन की वजह से मेरी गृहिणी ने तीनों बच्चों का लालन-पालन किया तथा उन्हें अच्छे संस्कार और शिक्षा देने में अपना पूर्ण सहयोग दिया। तीनों बच्चे आज अपने अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं। मैं अपने को गौरवान्वित महसूस करता हूं यही जीवन की उपलब्धि है।

प्राइमरी स्कूल में आदरणीय स्व. रामदत्त फुलोरिया जो कि प्राइमरी पाठशाला में प्रधान अध्यापक थे तथा उनका परिवार मेरे प्रेरणा श्रोत रहे। पूज्य माता जी एवं पिता जी के समर्पण के भाव से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। पिता जी का मुख्य वाक्य होता था कि त्याग करना सीखो। उन्होंने ही कठिन परिश्रम एवं ईमानदारी से अपना कार्य करने की प्रेरणा दी। हाईस्कूल में भीम सिंह मियां जी का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। डॉ राजेन्द्र सिंह बिष्ट मेरे डाक्टर बनने की राह में प्रेरणा के श्रोत रहे। प्रोफेसनल कोर्स में, खासकर MS सर्जरी में मेरे गुरु प्रोफेसर वाई पी नैथानी जी ने अपने सहज सरल, आत्मीयता एवं सर्जिकल कौशल से मुझे बहुत प्रभावित किया।आज में जिस मुकाम पर हूं उन्हीं के वरद हस्त और आशीर्वाद से हूं।

भावी पीढ़ी से मुझे अपने जीवन के अनुभव से यह संदेश है कि अपने जीवन को संयमित रख कर कठिन परिश्रम की आदत डालें और अपने लक्ष्य पर फोकस रखें। अपने साथ साथ अपने आसपास के पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखें।

यात्रा / शैक्षिक भ्रमण

आदिग्राम फुलोरिया के मेधावी विद्यार्थियों द्वारा ४ दिनी दिल्ली का शैक्षणिक भ्रमण

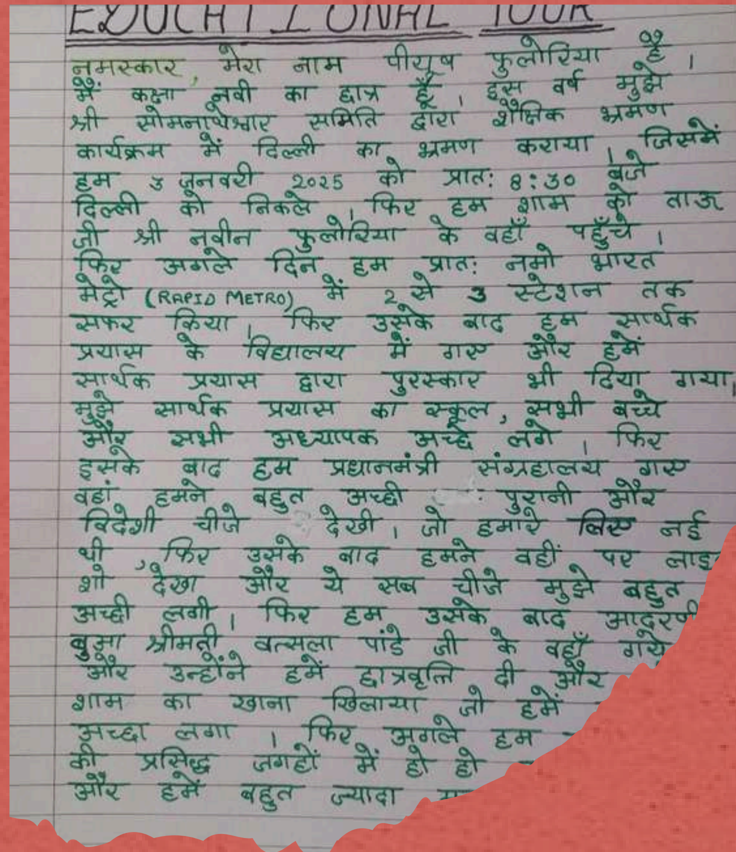

EDUCATIONAL TOUR

नमस्कार, मेरा नाम पीयूष फुलोरिया है।
मैं कक्षा नवी का छात्र हूँ। इस वर्ष मुझे
श्री सोमनाथेश्वार समिति द्वारा शैक्षिक भ्रमण
कार्यक्रम में दिल्ली का भ्रमण कराया। जिसमें
हम 3 जनवरी 2025 को प्रात: 8:30 बजे
दिल्ली को निकले। फिर हम शाम को ताऊ
जी श्री नवीन फुलोरिया के वहाँ पहुँचे।
फिर अगले दिन हम प्रात: नमो भारत
मेट्रो (RAPID METRO) में 2 से 3 स्टेशन तक
सफर किया। फिर उसके बाद हम सार्थक
प्रयास के विद्यालय में गए और हमें
सार्थक प्रयास द्वारा पुरस्कार भी दिया गया।
मुझे सार्थक प्रयास का स्कूल, सभी बच्चे
और सभी अध्यापक अच्छे लगे। फिर
इसके बाद हम प्रधानमंत्री संग्रहालय गए
वहां हमने बहुत अच्छी पुरानी और
विदेशी चीजे देखी। जो हमारे लिए नई
थी, फिर उसके बाद हमने वहीं पर लाइ
शो देखा और ये सब चीजे मुझे बहुत
अच्छी लगी। फिर हम उसके बाद आदरणी
बुआ श्रीमती वत्सला पांडे जी के वहाँ गये
और उन्होंने हमें छात्रवृत्ति दी और
शाम का खाना खिलाया जो हमें
अच्छा लगा। फिर अगले हम
की प्रसिद्ध जगहों में हो हो
और हमें बहुत ज्यादा

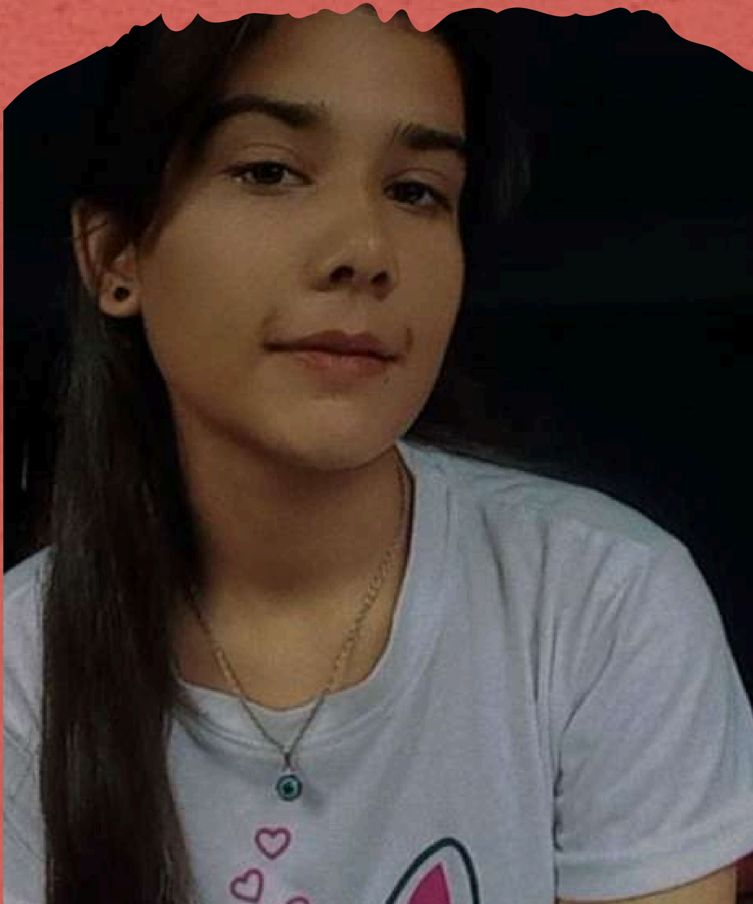

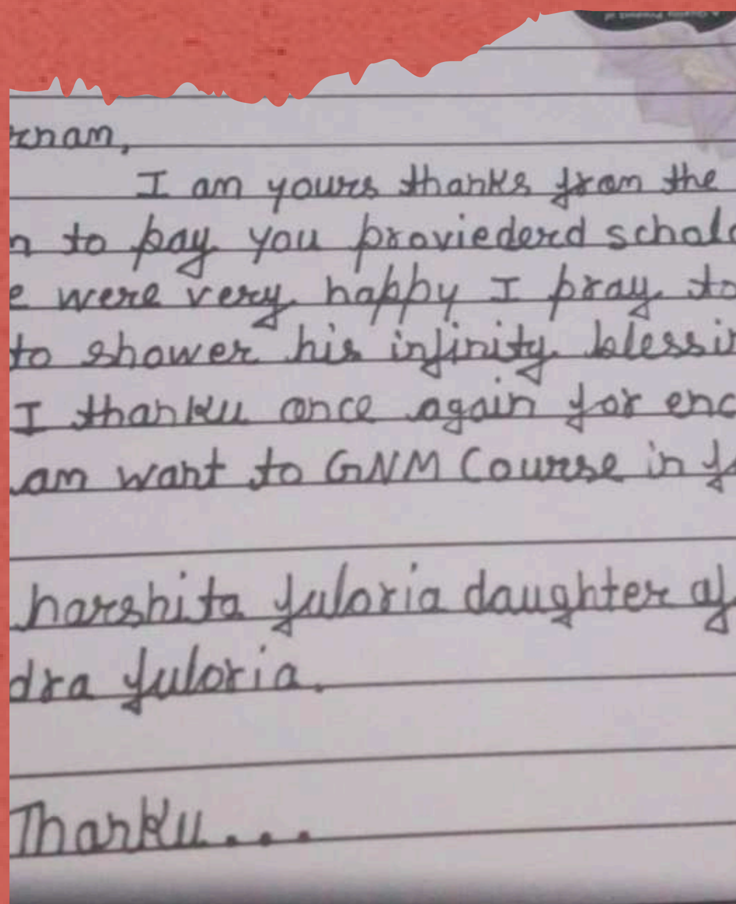

rnam,
I am yours thanks from the
n to pay you proviederd schola
e were very happy I pray to
to shower his infinity blessin
I thanku once again for enc
am want to GNM Course in f

harshita fuloria daughter of
dra fuloria.

Thanku...

आदिग्राम फुलोरिया के मेधावी बच्चों का दिल्ली एजुकेशनल टूर एवं छात्र वृत्ति मिलने पर खुशी का इजहार उन्हीं की कलम से

प्रणाम

बुआ जी मैं ज्योति फुलोरिया पुत्री श्री गिरिश चन्द्र फुलोरिया मैं आपका तह दिल से धन्यावाद करती हूँ, आपके द्वारा दी गई धन राशि हमें प्राप्त हुई, आपने जो हम लोगो को छात्रवृत्ति देकर सम्मान दिया, उसके लिए धन्यावाद बुआ जी हमें छात्रवृत्ति लेते वक्त बहुत अच्छा लगा और मैं भोले नाथ से प्रार्थना करती हूँ आप पर असीम कृपा बनाए रखना, बुआ जी आपका बहुत - बहुत धन्यावाद

मैं भविष्य में इंजीनियरिंग की तैयारी करना चाहती हूँ।

धन्यावाद

... यात्रा आदिग्राम

... दिल्ली

= ऊँ नमः शिवाय =

मैं सुमन फुलोरिया पुत्री महेश चन्द्र आप सभी लोगो को धन्यवाद करती हू जिनके द्वारा हमे यह यात्रा सम्पन्न करायी गयी,

यात्रा समय सारणी एवं नामावली —

प्रस्थान — 3/1/2025 आदिग्राम से दिल्ली रात्री 8:30 बजे पहुंचे 4/1/2025 प्रात नमो भारत गये तथा (रेपिड मैट्रो मे बैठे) एक दिन मे सार्थक प्रयास के संस्था पर गये एवं वहा बच्चो से मिलकर हमे नयी नयी जानकारी हासिल हुए तथा भोजन के बाद हम प्रधानमंत्री संग्रहालय गये वहा हमे बहुत कुछ देखा और सिखने को मिली तथा रात्री मे light and sound शो देखकर रात्री का भोजन वत्सला पाण्डे (जोशी जी) के यहा करा जिनसे मिलकर हमे काफी अच्छा लगा, श्रीमती वत्सला पाण्डे जोशी जी अपने इच्छा से गाँव मे आए टॉपर प्रथम 5 बच्चो को ₹5000 की नकद धनराशि व सम्मान प्रतिका से सम्मानित किया,

अगले दिन सुबह 5/1/2025 को हम होन्डो बस से दिल्ली भ्रमण की यात्रा शुरु की व हमारी यात्रा श्री लक्ष्मी नरायण बिरला मन्दिर से शुरु हुई फिर उसके बाद हम लाल किला, कुतुब मिनार, हुमायु का मकबरा, राजघाट इण्डिया गेट व अन्त मे हमारी यात्रा आदि स्थानो पर घुमते हुए अक्षरधाम मंदिर पर सम्पन्न हुए फिर घर आकर रात्री भोजन कर विश्राम किया, तारिक को श्री दिनेश फुलोरिया जी द्वारा मोदी का भ्रमण दिन व रात्रि को भोजन हुआ अगले दिन रात्री 6/1/2025 को 9:45 बजे हमे खाना - पीना खा कर हम वापिस घर के लिए रवाना हुए हम 7/1/2025 को सुबह 8:30 बजे आदिग्राम फुलोरिया अपने गाँव आकर यह यात्रा पूर्ण रूप से सम्पन्न की

मैं आप सभी का धन्यवाद एवं आभार प्रकट करती हूँ कि आपने बच्चो के मन पर्यटन के प्रति जिज्ञासा पैदा कर यात्रा करने का प्रबंध करा दिया

धन्यवाद

सर्वप्रथम हम दि० 03-01-25 को मर्सी से दिल्ली को रवान
हुए। करीब रात्री 8:00 बजे श्री नवीन चन्द्र फुलोरिया (ताऊजी)
के वहाँ पहुँचे। वहाँ पहुँचकर सभी से मिलकर काफी अच्छ
लगा रात्री में ताईजी के हाथ का स्वादिष्ट भोजन कर सोने
के लिए चले गए

दिनांक 04-01-25 को हम सभी नमो भारत (रैपिड मैट्रो)
ट्रेन से दुहाई से साहिबाबाद तक का सफर तय किया इस
सफर में हमने एक अलग अनुभव प्राप्त किया फिर हम सार्थक
प्रयास में गए वहां हमें बहुत सिखने को मिला सार्थक प्रयास
के बच्चों और शिक्षकों से बहुत कुछ सिखने को मिल जो
हमें पता नहीं था इसके बाद हम प्रधानमन्त्री संग्रहालय गए। जहाँ
हमने बहुत कुछ देखा और जाना रात्री का भोजन हमने श्रीमती
वत्सला पाण्डे जी के वहाँ किया

दिनांक 05-01-25 को नवीन ताऊजी के घर से 8:10 बजे
हम हेडो जस से दिल्ली दर्शन के लिए निकले हमारी यात्रा
बिरला मन्दिर से शुरू हुई फिर हम लाल किला, महात्मा गांधी
समाधि स्थल, हुमायूं का मकबरा, इंडिया गेट, अमर ज्योति
कुतुब मीनार, लोटस टेम्पल, अंतह हम अक्सर धाम ग
वहां हमने वाटर शो भी देखा जो काफी अच्छा था।

दि० 06-01-25 को रात्री 9:45 पर दिल्ली से गां
ओर रवाना हुए।

दिल्ली का दर्शन केवल एक यात्रा नहीं
है, जो जीवन भर के लिए हमारी यादों
किला, कुतुबमिनार, हुमायूं का मकब
कहते हैं जबकि इन्डिया गेट

...के हुआ
...में भी काफी
...की भारी को हवा
दिल्ली पहुँचे ...5/01/2025

एजुकेशनल टूर :-

- दिल्ली पहुँचने के पश्चात दिनांक 04/01/2025 को हम सभी बच्चों को रैपिड मैट्रो की यात्रा कराई गई, इस मैट्रो में बैठना हम सभी बच्चों के लिए एक नया अनुभव था की किस प्रकार टैक्नोलॉजी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है,
- रैपिड मैट्रो के पश्चात सभी सार्थक प्रयास संस्था में गए वहां के सभी 10 वीं, 12 वीं के बच्चो से मिलें तथा वहां उपस्थित सभी अनुभवी शिक्षको द्वारा हमें अनेक जानकारीयां दि गई,
- दिनांक 5/01/2025 को हम सभी बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों में ले जाया गया जैसे- कुतुबमिनार, इण्डिया गेट, हुमायूं का मकबरा, आदि ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया व उनकी सुंदरता और महत्व को जाना 5/01/2025 को हम इन सभी ऐतिहासिक स्थलों को देखने के पश्चात सायं/शाम को अक्षरधाम गए जहां हम सभी ने वॉटर शो देखा, ये सभी चीजों का अनुभव मेरे लिए नया था, तथा काफी शानदार था
- एजुकेशनल ट्रिप के माध्यम से मुझे काफी नई चीजों

गणतंत्र दिवस २०२५ झंडा रोहण समारोह

बधाई

प्रशांत फुलोरिया पुत्र श्रीमती रमा एवं श्री नन्द किशोर फुलोरिया को आईआईएम लखनऊ से एक्जीक्यूटिव एमबीए में सफलता प्राप्त करने के लिए बधाई

उत्तराखंड सबोर्डिनेट सर्विस सलैक्सन कमीशन द्वारा श्रीमती चित्रा मठपाल/ फुलोरिया पुत्री श्री शिवेन्द्र फुलोरिया का सहायक अध्यापक (एल टी अंग्रेजी के पद पर हुआ है। चित्रा को बहुत-बहुत बधाई

ग्राम विकास की गतिविधियां

ग्राम में निर्माणाधीन पशु सेवा केन्द्र का कार्य प्रगति पर

गांव में विकास की गतिविधियां

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीपी ,सुगर एवंथाइराइड परीक्षण के लिए रक्त जांच

धर्म-कर्म

श्री सोमनाथेश्वर मंदिर परिसर में ३३वां सुन्दर काण्ड पाठ

श्री सोमनाथेश्वर मंदिर परिसर विकास

श्री सोमनाथेश्वर मंदिर परिसर में अतिथि गृह कक्ष का लोकार्पण।

सहयोग कर्ता:   डॉ प्रफुल्ल फुलोरिया

श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ

२८ फरवरी - ७ मार्च

श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ

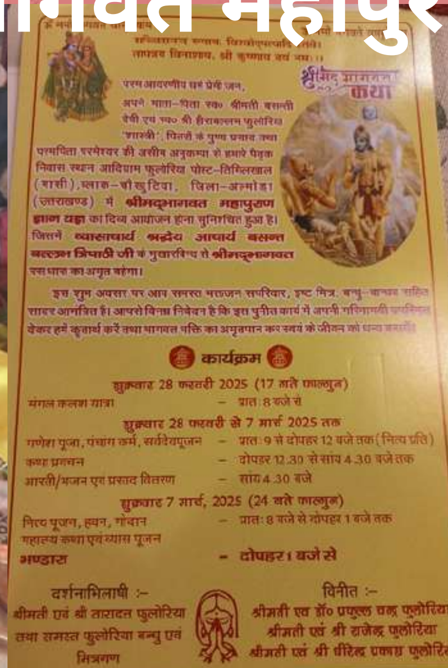
परम आदरणीय धर्म प्रेमी जन,

अपने माता–पिता स्व० श्रीमती बसन्ती देवी एवं स्व० श्री हीरावल्लभ फुलोरिया 'शास्त्री', पितरों के पुण्य प्रताप तथा परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकम्पा से हमारे पैतृक निवास स्थान आदिग्राम फुलोरिया पोस्ट–तिमिलखाल (शाशी), ब्लाक–चौखुटिया, जिला–अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड) में **श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ** का दिव्य आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। जिसमें **व्यासाचार्य श्रद्धेय आचार्य बसन्त बल्लभ त्रिपाठी जी** के मुखारविन्द से **श्रीमद्भागवत** रस धारा का अमृत बहेगा।

कार्यक्रम

शुक्रवार 28 फरवरी 2025 (17 गते फाल्गुन)

मंगल कलश यात्रा	– प्रातः 8 बजे से

शुक्रवार 28 फरवरी से 7 मार्च 2025 तक

गणेश पूजा, पंचांग कर्म, सर्वदेवपूजन	– प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक (नित्य प्रति)
कथा प्रवचन	– दोपहर 12.30 से सांय 4.30 बजे तक
आरती/भजन एवं प्रसाद वितरण	– सांय 4.30 बजे

शुक्रवार 7 मार्च, 2025 (24 गते फाल्गुन)

नित्य पूजन, हवन, गोदान	– प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक
महात्म्य कथा एवं व्यास पूजन	
भण्डारा	**– दोपहर 1 बजे से**

दर्शनाभिलाषी :–
श्रीमती एवं श्री तारादत्त फुलोरिया
तथा समस्त फुलोरिया बन्धु एवं मित्रगण

विनीत :–
श्रीमती एवं डॉ० प्रफुल्ल चन्द्र फुलोरिया
श्रीमती एवं श्री राजेन्द्र फुलोरिया
श्रीमती एवं श्री वीरेन्द्र प्रकाश फुलोरिया

श्री मद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ की कुछ झलकियां

होली 2025

कुछ झलकियां

महिला होली

होली 2025 - ग्राम में इस बर्ष बहुत धूमधाम से मनाई गई। ग्राम वासियों के अतिरिक्त प्रवासी बन्धुओं ने भी बड़े उत्साह से भाग लिया।

आदिग्राम फुलोरिया तीज त्यौहार - फूलदेई

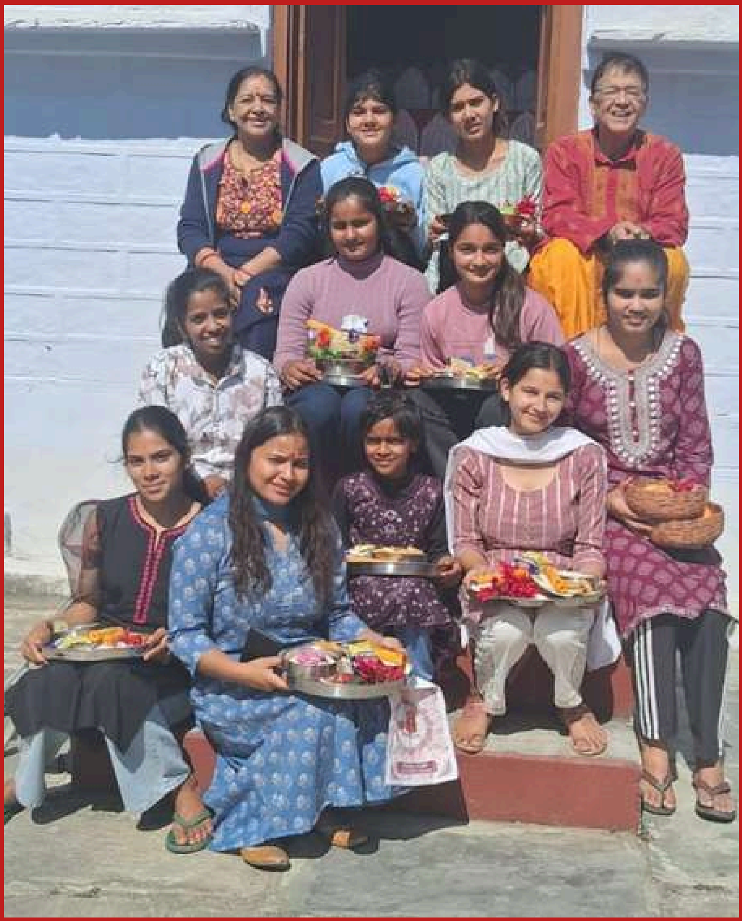

फूलों के रंग, बच्चों के संग

PRIMUS HEART RUN

मासिक बैठक(दिल्ली एनसीआर)फरवरी 2025

श्री प्रीतम फुलोरिया केआवास पर

मासिक बैठक मार्च 2025

श्री बिपिन फुलोरिया जी के आवास वसुंधरा में